Dr. Keerti Kumar
Assist Prof (Guest)
Deptt of Psychology,
S.R.A.P. college, Barachakia, East Champaran
(A constituent unit of B.R.A. Bihar University
Muzaffarpur)

Subject - Psychology
Class — B.A (Hons) Part II
Topic - Types of Measure of validity
Day Thursday.
Date. 10/03/022
Period 3rd.
Contact No - 9801460117/6202215708

विचलनशीलता मापन के प्रकार :-

विचलनशीलता का तात्पर्य प्राप्त एक वितरण के अंकों के प्रसार (Range) से होता है। जब एक वितरण का प्रसार कम होता है तो उसकी विचलनशीलता भी कम होता है। उसी प्रकार जब प्रसार अधिक होता है तो विचलनशीलता भी अधिक होता है। इसे हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि :- विचलनशीलता एक वितरण में विभिन्न अंकों के अपने औसत मान से विचलनों का सूचक होता है।

मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र के अध्ययनों में विचलनशीलता के मापन के लिए निम्नलिखित चार प्रकार के मापों का प्रयोग प्रायः किया जाता है।

1. प्रसार (The Range)
2. चतुर्थांश विचलन - The Quartile Deviation
3. माध्य विचलन - The Average or Mean Deviation
4. मानक विचलन - The Standard Deviation

प्रसार :- The Range

विचलनशीलता (Variability) के मापकों में

प्रसार सबसे सरल माप है। किसी वितरण के अधिकतम एवं न्यूनतम मूल्यों के अन्तर को ही प्रसार कहते हैं। प्रसार विचलनशीलता का अधिक शुद्ध माप नहीं है, क्योंकि इसका मापन वितरण के केवल अधिकतम एवं न्यूनतम मूल्यों पर आधारित होता है। यदि किसी श्रेणी में अंकों का केवल विस्तार दिया बताता है। जो अंकों की विचलनशीलता की पूरी दिशा बता है।

इसका प्रसार ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

प्रसार Range = R = अधिकतम मूल्य − न्यूनतम मूल्य

OR R = Highest Score − Lowest Score

इस प्रकार यह प्रसार का निरपेक्ष माप है इसमें श्रेणियों की तुलना नहीं किया जा सकता है। अतः तुलना करने की दृष्टि से प्रसार के अन्य माप को सापेक्ष माप के बदलना पड़ता है। (सापेक्ष माप प्रसार का गुणक कहलाता है) इसे ज्ञात करने के सूत्र इस प्रकार है।

प्रसार गुणक (Coefficient of Range or CR =

$$CR = \frac{\text{अधिकतम मूल्य} - \text{न्यूनतम मूल्य}}{\text{अधिकतम मूल्य} + \text{न्यूनतम मूल्य}}$$

प्रसार के प्रयोग की स्थितियाँ −

प्रसार का प्रयोग निम्न परिस्थितियों में करना चाहिए

1. जब विचलनशीलता की अनुमानित शीघ्रता एवं सरलता से जानना हो।
2. जब विचलनशीलता का केवल प्रारंभिक ज्ञान करना हो।
3. समान प्रतिदर्श में दूसरा प्रयोग किया जा सकता है लेकिन असमान प्रतिदर्श में दूसरा प्रयोग नहीं करना चाहिए।
4. इसका प्रयोग वर्णनात्मक रूप में किया जा सकता है लेकिन निष्कर्षात्मक कारण से इसका प्रयोग नहीं किया जा सकता है।